>

Title: Regarding capture of boats of fishermen by Pakistan.

श्री लालूभाई बाबूभाई पटेल (दमन और दीव): महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और विदेश मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि पिछले 12 महीने में करीब 500 मछुआरे पाकिस्तान की जेल में कैद हैं। इसमें दीव के 40 मछुआरे की बोट्स हैं। यह कहा गया है कि ये मछुआरे सीमा से लगे पानी में मछली पकड़ते पकड़े गए जबकि मैं मानता हूं यह गलत है, ये अंतर्राÂष्ट्रीय पानी की सीमा पर पकड़े गए थे। मैं सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि पाकिस्तान के कब्जे में मछुआरों के साथ करीब 640 बोट हैं। मेरा यह बताना भी जरूरी है कि बोट बनाने में काफी पैसे लगते हैं और इन पर लोन लिया गया है। पाकिस्तान इन बोट्स को वापिस नहीं कर रहा है जिसके कारण मछुआरों को दो तरफ से नुकसान होता है। उन्हें एक तरफ दूसरी बोट बनानी पड़ती है और दूसरी तरफ लोन भी चुकाना पड़ता है। एनडीए सरकार अपने कार्यकाल में पाकिस्तान से मछुआरों और बोट्स को वापिस लेने में सफल सिद्ध होती थी। मैं आपके माध्यम से विदेश मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या उनके पास कोई ठोस पालिसी है जिसमें पकड़े गए मछुआरे और बोट्स वापिस लाई जाएं? मछुआरे तो अब भी सागर में मछली पकड़ने जाएंगे। उन्हें इस तरह पाकिस्तान में पकड़ा जा रहा है इसके कारण मछुआरों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें गरीबी और बेरोजगारी की तरफ धकेला जा रहा है। मेरा आग्रह है कि इस तरह से पकड़े जाने से बचाव के लिए कोई ठोस निराकरण करें नहीं तो दीव में मत्सय उद्योग खत्म हो जाएगा।

आपने मुझे अपने विचार प्रकट करने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं।